प्रेषक.

टीकम सिंह पंवार, संयुक्त सचिव, उत्तरांचल शासन।

सेवा में

मुख्य अभियन्ता एवं विमागाध्यक्ष, सिंचाई विमाग, उत्तरांचल, देहराद्न ।

सिंचाई विमाग

देहराद्न : दिनांक 30 जुलाई, 2005

विषय:

वित्तीय वर्ष 2005-06 के लिए नाबार्ड से वित्त पोषित योजनाओं के लिए पुनर्विनियोग द्वारा धनावंटन।

महोदय.

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्याः 1820 / मु०अ०वि० / बजट / यी-1, सामान्य, दिनांक 15 07 2005 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि संलग्न प्रपन्न कींग्एन०-15 के कालम-5 पर अंकित योजनाओं के लिए बजट प्राविधान न होने के कारण संलग्नक में अंकित विवरणानुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से व्यावर्तन द्वारा रू० 466.00 लाख (रूपये चार करोड़ छासट लाख मात्र) की धनराशि के व्यय करने की स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय सहषं स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों के विरूद्ध ही किया जाय, व्यय केवल उन्हीं योजनाओं के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति जारी की जा रही है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।

धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की तकनीकी खीकृति एवं कार्यों के प्राक्कलन सक्षम अधिकारी से अवश्य स्वीकृत करा लिये जाय।

जक्त व्यय में बजट मैनुअल, विलीय हस्तपुरितका, टैण्डर, कुटेशन विषयक नियम तथा शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।

जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय तथा कार्यों के सम्बन्ध में यथोचित भूकम्प निरोधी तकनीकी का प्रयोग किया जाय।

स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के शम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित पारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक महालेखाकार उत्तरांचल राज्य सरकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।

क्रमश....2

6— कार्य की समय बद्धता एवं गुणवता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता

विभागीय कार्य करने से पूर्व लोक निर्माण/सिंचाई विभाग की दरों पर आगणन गठित कर एवं तकनीकी अधिकारियों की संस्तुति के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा तथा पुनर्विनियोग के कालम-1 की 7-इचतों से वहन किया जायेगा।

इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 के आय-व्ययक की अनुदान स0-20 के अन्तर्गत सलग्नक में आयोजनागत पक्ष के उल्लिखित उप शीर्षकों के अन्तर्गत सुसगत प्राथमिक इकाईयों के नाम

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या -674 ए० / वि० डाला जायेगा। अनु0-1 /2005 दिनांक 30 जुलाई, 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संस्कृतः यथोक्त।

भवदीय. (टीकम सिंह पंवार) संयुक्त सचिव

संख्या-2486 / 11-2005-04(28) / 03,तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

महालखकार, ओबराय मोटर्स विल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून। 1-

वित्त अनुभाग-1। 2-

श्री एम०एल० पन्त, अपर सचिव, वित्त,बजट,अनुभाग, उत्तरींचल 3-शासन।

नियोजन विभाग, उत्तराचल शासन। 4-

निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री।

अधिशासी निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तरांचल

कोषाधिकारी / जिलाधिकारी, देहरादून, पोडी, हरिद्वार, उत्तरकाशी नैनीताल, एवं ऊधमसिंह नगर उत्तराचल।

निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहुरादून।

गार्ड फाईल। संलग्न : यथोक्त ।

(महाधीर सिंह चौहान) अन् सचिव

प्रशासनिक किमान सिचाई विभाग, उत्तराद्यत	(अधोजनागत)
म, मिवविव, उत्ताराचल	वित्तीय वर्ष २००५-०६
नियंत्रक अधिकारी-मुख्य अभियन्ता एव विमागक्रयक्ष	अनुदान संख्या-20

बजट प्राविधान एव	सानक	विस्तीय वर्ष	373978	desighter fame every regardence of some management of the some	1 marchanton	The Control	Throng Parents
लेखाशीर्षक का विवस्प	गदहार अचाविधिक व्यय ७६/०५	के शंव अवधि मे अनुमानित स्यय	सरलमा धनराशि		कुल घनशाशि	पुरायनायात्र पुरायानयात्र के बाद के बाद सतम्म-५ की सतम्म-। की कुल घनशाश्चा कुल द्यनराशि	
4	65	10	V	10	£	7	40
4700—गुरुव सिंहाई पर पूर्णीगत परिवास 12—प्रांस बोलों का पुनर्निमाण 800—अन्य व्यय 02—अन्य रख रखाय थिव्यय 01—पेयणल सोतों का पुन्धिगांग क0 315.00		99 99	248 00	4700—मुख्य सिवाई पर यूजीगात वर्रेव्यश 800—अन्य रख रखाव बाय 91—गनमूची का न्यिण (जिथ्योक) 24—कृहद निर्माण कार्य क्र 199,00 07—उत्तरांगत की न्यु डाल नहर्रे का पुनशदार जिला योजनो) 800—अन्य रख रखाव हाय 02—अन्य रख रखाव हाय 01—निर्माण कार्य	89 071	2	वित्तीय वर्ष 200 कं वजट आहित् तिचाई किनाम नाबाई भे वित्त नसक्ष निर्माण, डाल नहर मिम नहर निर्माण एवं भुष्ता कार्यों वीजनाओं हेतु साहित्य में
4711-बाइ नियत्रण परियोध पर पूरीगत परियय 81-बाइ नियत्रण 103-सिविल निर्माण कार्य 81-कन्दीय आयोजनाठ/कन्द द्वारा पुरानिधानित को 81-स्ती में सुधार तथा कटाव निरोधक सोजनाय 24-बुहद निर्माण कार्य		481.00	217 00	4711 - बाड नियंत्रण परियोष्ठ यर मूजीयत परिवास 01-बाइ नियंत्रण 103-सिवित निर्माण कार्य 03-अनापेशत आण्यकत्तीन कार्य नदी में सूत्रार तथा कराव 24-बूस्ट निर्माण कार्य क0 217.00	1437.00	9100	होते के कारण कार्यों हेतु व्यवस्था नहीं हो है जिसके इस्लावित पुनर्विति
2017	ì	557.00	466.00	zhu 456 00	2486.00	557.00	4
प्रमाणित किया जाता है कि मुनिविन्योग ने बन्धर अनुमान परिवर्षय 150,151,155 एन 150 में उत्तिक्षित प्रतिभागे का उत्त्वाम नहीं होता है ।	m ufbaba +	A,151,155 V	1 150 1	उस्तिक्षिय प्रतिकाम का उल्काम नहीं होता है ।	and and and		1

स्वीकृत

भंग म महालेखाकार उत्तराचल, देहरादन

उत्तरांचत शासम विस्त अनुमान-1 संख्या: ६२ ५१ /वि०अनु०-1/2004-05 देहरादून दिनव्क जूलाई 2005 1 (2)

संव- / 11-2005-04 (28) / 03 दिनाक देहरादून जुलाई, २००5

प्रतितिषि निमानिक्वित को सूचनाथ एव अधारधक कन्द्रवार्थ हेंदु श्रीयत —

1- पिता अनुमार्ग-३ उत्ताराथत शासन, देहराषून ।

2= कोषाधिकारी / जिलाधिकारी, देहरादून, पांडी, हरिहार, क्रमोती, उत्तरकाशी, ऊर्णिशागर एथ नेनीसाल उत्स्थायल ।

Pagnifity (75% affective)

्रेथिट प्रास्नादेश सं०− \ 11–2005–04 (28) \ 03 दिनांक ें जुलाई,

शाल (धनपाश्चि आर

कांगर दहरादून में नाता पानी नदी की बाद पुथ्या कांच	विक एमिनिविश्व- 45	9
विकासिक हो। विकास साम विकास विकास	क्टाव	
भ अर्थ है	नदी में सहार वाजा	S
प्राथ की बाह सुरक्षा कार्य	अमातकातीन कार्य	
जनपद देहरादून में सीम नदी के वाये तट पत बड़ो वाल	15विधिगन्छ-६०	- 9
नगर की बाद सुरक्षा कार्य	विकि	
जनपद देहरादून में स्रींग नदी के कार्ये सर पर शाहब	103-सिविल जिन्नीम	3
सैस्सा क्रांचना	Interior 212-10	
जाने होता है। हिलाड़ी बाजार एवं डिगार गांव बाद	एकिमि जारियू	5
भागद वागेली में कोरियाल गाम शह युरसा कार्य	yp हिहानविधिश्री	1
बाइ सुरक्षा कार्व RIDF-X	INERE 218 1120	
मान नतक्ष एवं जियह नहर		
इस उपहो एक		
जनतदनवाडमु में जिन्हाची बदेशी जिपट स्कीम	सन् सास संस्तु का १०० अन्त द्यात १०० अन्त द्यात १०० अन्त द्यात १०० जिल्लीच स्थात १०० जिल्लाम्	7
णीएनीक माँकर उपनी ३० है (शिक्साम उपनार	कि छ्राम्ग्रह्म-१०	2
	तर तेतागत नेवल	k
ावीमने एकुनाः एतिः स्रीकम् उपानी	४४०० मेल्स जिलाई	
सीय वानावं स्थानासिंह नवंद से 10 नंदर्शनी की निर्माण		7
ानंतर नेनोताल के सालवार में 10 नलकृपी का लियोंण		2
		1
जनपद हरिद्वार में 59 नत्तवूषों का निर्माण		-
	S4-बेहर्ट[जुर्म]तो क्येर्	į
KIDF-IX	(०(६२०६५)) एगेमनी	
प्रित्ति कि किन्नुभा वर है हासकी क्रिक्टी	कि गिक्शा-19	7
	15/12	Z.
क्ष मित्रीय इम्म्य	800 अन्य दख दखाव विक्रिक्त क्षेत्र	
जिन्दा है है है । जिल्ला के जिल्ला का निवास	प्राथित मानीलूप प्रम	4
RIDE-VIII	काम् । क्यान	

Lefte 19te		1
lefte		
जनसङ नेनीवाल के गरम पानी खेरमा में बाद सुरक्षा कार		91
भागर के भारित सम्प्रक के स्थान के कि निमा सहसीत के अन्त		91
अपिर निमाप के उन्नीय किमिया में विश्व समान विभिन्न विकास स्थान कार्य		13
जन्मद स्वारकाशी में हिमिल के कोकड़ा गाड पर थ		15
हाजान कार्य जनसङ् मेनीवाल में छोड़े नाला हेते हेनेज एवं एक		11
जनवद नेनीवाल में खंजय जनर शबत जगर, खिरेश ध		01
ल्य-ऽ लस्तर १८६४ गढवाच में मेनिसीनी वाह जुल्सा योज		6
जनपद रिहरी गढ़वाल में चन्द्रभागा नहीं के गांगे कि प्		8
जनपद देहराटून में थास रायपुर की ओली नाले ये ब		4
शायना का भंभ	वस्ताराक्ष	OFF

088

हि वार करोड़ छासठ ल

विष्ट असी अधिव। अनु सचिव।

70020L008